बृहस्पतिवार
15 जून 2023

पृष्ठ 4

हेल्दी बॉडी के लिए पानी जरुरी...!

पृष्ठ 5

रणवीर सिंह डॉन 3 और बैजू बावरा में आएंगे नजर!

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 132
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मुठ्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं।

– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पुरोला में नहीं हुई महापंचायत, हिंदू जागृति मंच के अध्यक्ष सहित कई गिरफ्तार

❑25 जून को बड़कोट में होगी महापंचायत का दावा

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। महापंचायत को लेकर पुरोला जा रहे हिन्दू संगठनों के लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि हिन्दू जागृति मंच के अध्यक्ष का कहना है कि अब 25 जून को बड़कोट में महापंचायत की जायेगी।

जनपद के नौगांव में आज हिंदू संगठन के लोग व व्यापारी बड़ी मात्रा में एकत्रित हुए। दरअसल हिंदू संगठनों के लोग और व्यापारी आज होने वाली महापंचायत को लेकर पुरोला कूच कर रहे थे। जिन्हे पुलिस ने नौगांव से दो किमी पूर्व मोंगरा पुल के पास रोक दिया। जिस पर आक्रोश जताते हुए सभी लोगों द्वारा सड़क पर ही जमकर धरना प्रदर्शन किया गया। पुलिस के समझाने पर भी जब हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता व व्यापारी नहीं माने तो पुलिस ने बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोगों व व्यापारियों की गिरफ्तारियां की।

हिंदू जागृति मंच यमुना घाटी के अध्यक्ष केशव गिरी महाराज को पुलिस ने नौगांव से गिरफ्तार किया और बडकोट थाने लेकर गई। पुलिस ने होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सोहन सिंह राणा सहित बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया साथ ही रूद्रसेना के सस्थापक राकेश तोमर उत्तराखण्डी व बजरंग दल के लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि गिरफ्तारी के बाद केशव महाराज का कहना है हम नौगांव में महापंचायत करने के लिए करने की योजना बना रहे थे लेकिन पुलिस द्वारा हमे गिरफ्तार किया गया। केशव गिरी महाराज ने सभी हिंदू संगठनों और व्यापारियों से 25 जून को बड़कोट में महापंचायत करने का आह्वान किया है। धरने की वजह से करीब ढाई घंटे तक पुरोला बफकोट मार्ग बंद रहा।

बता दें कि आज पुरोला में महापंचायत होनी थी लेकिन धारा 144 लगने से महापंचायत को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया था। जिसके बाद व्यापारिक संगठनों के लोगों ने पूरी यमुना घाटी जिसमे बड़कोट, नौगांव डामटा, पुरोला मोरी के बाजारों को बंद रखने का निर्णय गया और जिसका असर दिखाई भी दिया है। यमुना घाटी के संपूर्ण बाजारों के व्यापारिक प्रतिष्ठान पूरी तरीके से बंद है। बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा वही पुरोला तहसील क्षेत्र के अंतर्गत धारा 144 लगाई गई है और चप्पे-चप्पे पर पुलिस और प्रशासन की पैनी नजर है।

विदित हो कि पुरोला में बीते 26 मई को मुस्लिम समुदाय के युवक द्वारा नाबालिग लड़की को भगाने का प्रयास किया गया था। इस घटना के बाद लोगों ने सड़कों पर उतर कर जुलूस प्रदर्शन निकाले और बाजार बंद रखे। मामले में दो आरोपियों को जेल भेजा गया। इस बीच कुछ दिन पहले पुरोला में मुस्लिम समुदाय के लोगों की दुकानों के आगे महापंचायत संबंधी धमकी भरे पोस्टर चस्पा कर दिए गए थे। जिसके चलते कई लोग पुरोला छोड़ चुके है।

महापंचायत मामले में सरकार को दिये सुरक्षा के कड़े इंतजाम के निर्देश

●याचिकाकर्ता व उससे जुड़े लोगों को टीवी डिबेट व आपत्तिजनक नारे लगाने पर रोक

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय में पुरौला हिन्दू महापंचायत पर रोक संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने सरकार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने को कहा है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता और उससे जुड़े लोगों को टी.वी डिबेट और आपत्तिजनक नारे लगाने पर भी रोक लगा दी है।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में आज उत्तरकाशी जिले के पुरौला में हिन्दू महापंचायत को रोकने संबंधी जनहित याचिका को सुना गया। दिल्ली से मामले में ऑनलाइन जुड़ी महिला अधिवक्ता ने आरोप लगाए कि पुलिस और प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में नाकामयाब है। उन्होंने कहा कि सोशियल मीडिया के माध्यम से पोस्टर और बैनर लगाकर धर्म विशेष के लोगों को धमकाया जा रहा है, उन्हें दुकानें छोड़कर भगाया जा रहा है। कहा कि पोस्टर में भाई, बहन, पंडित, बाबा समेत सभी सनातनियों को महापंचायत में हिस्सा लेने को कहा गया है। कहा कि पोस्टर लगाने और महापंचायत बुलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में दोपहर 11:45 बजे पुरौला में लव जिहाद के बाद बुलाई गई हिन्दू महापंचायत पर रोक संबंधी याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। जिसमें ऑनलाइन महिला अधिवक्ता ने अपनी बात रखी। जिसके बाद महाधिवक्ता एस.एन.बाबुलकर ने इन बातों को गलत बताया। महाधिवक्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता और अधिवक्ता दिल्ली में बैठे हैं और वहां से सरकार को अस्थिर करना चाहते है। हमारे प्रदेश में एक भी कॉम्युनल राइट्स का मामला अभी तक दर्ज नहीं है और ये लोग इसे बिगाड़ना चाहते हैं। महाधिवक्त ने कहा

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

घर में आग लगने से एक महिला व 5 बच्चों की जलकर मौत

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से एक बेहद ही दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसमे एक घर में आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की जलकर मौत हो गई। मिली जानकारी अनुसार मरने वालों में एक महिला और पांच बच्चे शामिल है। रामकोला थाना क्षेत्र के उर्दहा गांव निवासी सरयू खटीक के दो बेटे हैं। इनमें एक बेटा परिवार लेकर लुधियाना पंजाब रहता है। दूसरा नवमी अपनी पत्नी संगीता

(38), बेटी अंकिता (10), लक्ष्मीन (9), रीता(3), गीता (2) और एक साल के बेटे बाबू के साथ गांव में रहता था। सरयू और उसकी पत्नी बगल की अलग झोपड़ी में रहते हैं।

फायर ब्रिगेड ने आग बुझाकर शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं एक ही परिवार में छह लोगों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। बता दें कि बुधवार देर रात करीब 12 बजे कुशीनगर जिले की नगर पंचायत रामकोला के वार्ड नंबर-2 उर्दहा बापू नगर के एक घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। इस दौरान घर में एक महिला और पांच बच्चे सो रहे थे, जो आग की चपेट में आ गए। जिससे घर में मौजूद इन छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

दिल्ली पुलिस ने नाबालिग पहलवान के यौन शोषण केस में बृजभूषण को दी क्लीन चिट, चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नाबालिग पहलवान के यौन उत्पीड़न मामले में बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह को क्लीन चिट दे दी है। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 7 पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों में गुरुवार को दो अदालतों में चार्जशीट दाखिल की। एक चार्जशीट 6 बालिग महिला पहलवानों की शिकायत पर दर्ज केस में रॉउज एवन्यू कोर्ट में दाखिल की गई। जबकि दूसरी चार्जशीट पटियाला कोर्ट में नाबालिग की शिकायत पर दर्ज केस में दाखिल की गई। नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोपों में दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण को क्लीन चिट दी है।

दिल्ली पुलिस ने 550 पेज की अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पोस्को की शिकायत को लेकर कोई सबूत नहीं मिला है। ऐसे में पुलिस ने कोर्ट में बृजभूषण के खिलाफ पोस्को के तहत दर्ज केस हटाने की सिफारिश की है। इतना ही नहीं पुलिस का कहना है कि पोस्को मामले में जांच पूरी होने के बाद इस मामले को रद्द करने की सिफारिश की गई है। शिकायतकर्ता यानी पीड़िता के पिता और स्वयं पीड़िता के बयानों के आधार पर ही पुलिस ने ये रिपोर्ट कोर्ट में सौंपी है। नाबालिग ने मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए अपने पहले बयान में यौन शौषण की बात कही थी।

दूसरे बयान में नाबालिग ने यौन शौषण का आरोप वापस लेते हुए कहा कि मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ था मैंने बहुत मेहनत की थी, मैं डिप्रेशन में थी इसलिए गुस्से में यौन शौषण का मामला दर्ज करवाया था।

दून वैली मेल

संपादकीय

सीएम की तेज दौड़

सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हालांकि अपने बेबाक और ताबड़तोड़ फैसलों के कारण बड़ी तेजी से सूबे और भाजपा की राजनीति के बड़े चेहरे के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं लेकिन इसके साथ ही उन्होंने लव जिहाद और लैंड जिहाद को लेकर सूबे में जिस तरह का माहौल तैयार किया है या हो रहा है, वह अब उनकी परेशानी का सबब भी बनता जा रहा है। बीते दिनों जिस तरह बेरोजगार युवाओं पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे पर विपक्षी नेताओं ने उनकी घेराबंदी की थी ठीक उसी तरह अब उनके लव जिहाद और लैंड जिहाद के मुद्दे पर विपक्ष हमला बोलता दिख रहा है कांग्रेसी नेता और अन्य तमाम लोग यह पूछ रहे हैं कि मुख्यमंत्री धामी ने राज्य में जिन मुद्दों को लेकर सांप्रदायिक टकराव व तनाव के हालात पैदा कर दिए हैं जरा उसके बारे में वह यह तो बताएं कि यह लव जिहाद और लैंड जिहाद होता क्या है? यही नहीं अनायास ही सूबे में लव जिहाद की यह लहर आखिर आ कैसे गई। कई लोगों द्वारा तो साफ-साफ यह कहा जा रहा है कि यह वास्तव में कोई मुद्दे हैं ही नहीं यह सबकुछ जानबूझकर क्रिएट किये गए मुद्दे हैं जिनके माध्यम से सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की पिच तैयार की जा रही है विपक्ष का तो यह भी आरोप है कि इन कृतिम मुद्दों से अब भाजपा का कुछ भला नहीं हो सकता है। उधर हरिद्वार के कुछ संतो द्वारा राज्य में लव जिहाद और लैंड जिहाद को लेकर यह कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तो ठीक काम कर रहे हैं लेकिन उनके कामों को लेकर जो सांप्रदायिकता का रंग दिया जा रहा है वह कुछ शरारती तत्वों का काम है जो सीएम धामी के काम और नाम को पचा नहीं पा रहे हैं और उन्हें बदनाम करने के लिए इस तरह का सांप्रदायिकता का माहौल तैयार किया जा रहा है, वह उन्हें बदनाम करने की साजिश है। खैर इस काम को कौन कर रहा है और क्यों कर रहा है? यह अलग विषय है लेकिन उनकी पार्टी में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो उन्हें बतौर सीएम पचा नहीं पा रहे हैं। सीएम धामी जितनी तेज गति से दौड़ रहे हैं वह उनके लिए आने वाले समय में परेशानी का सबब बन सकता है। उनके कार्यकाल में अब तक एक से बड़ी एक समस्याएं आ चुकी हैं। जिस पेपर लीक मामले में भाजपा को अपनी साख बचाने की चुनौती पैदा हो गई थी उस मामले में अगर उनके द्वारा जांच बैठाने से लेकर सख्त नकल विरोधी कानून बनाने की पहल न की गई होती तथा सचिवालय व विधानसभा में बैक डोर भर्तियों पर कार्यवाही न की गई होती तो इस मामले को मैनेज करना मुश्किल हो जाता लेकिन अब मामला प्रदेश के अमन और शांति से जुड़ा हुआ है, लव जिहाद और लैंड जेहाद के मामलों को लेकर राज्य में जिस तरह का माहौल तैयार हो रहा है उसके कारण अगर कानून व्यवस्था बिगड़ती है तो इसे लेकर विपक्ष ही नहीं उनकी ही पार्टी के लोग उनकी मुखालफत में पीछे नहीं रहेंगे। भाजपा का इतिहास सूबे में इस बात का साक्षी है कि उन्होंने ले. जनरल(से.नि.) बीसी खंडूरी तक को नहीं छोड़ा था। सीएम धामी को अपने काम के साथ साथ ऐसी ताकतों से भी सतर्क रहने की जरूरत है जो इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कब वह कोई पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत जैसी बड़ी गलती करें।

राज्य में 3 वर्षों में अनुसूचित जाति, जनजाति उत्पीड़न के 360 मुकदमें दर्ज

❑कुमाऊं की अपेक्षा गढ़वाल में 33 प्रतिशत अधिक हुये मुकदमें दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड जैसे शांत प्रदेश में धर्म व जाति के आधार पर अपराधों सहित विभिन्न अपराधों का बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। पिछले 3 वर्षों में अनुसूचित जाति व जनजातियों के विरूद्ध किये गये अपराधों के 360 अपराधिक मुकदमें दर्ज हुये हैं। इसमें 72 बलात्कार, 10 हत्या, 24 अपहरण के मुकदमें भी शामिल हैं। कुमाऊं में दर्ज 154 मुकदमों की अपेक्षा 33 प्रतिशत से अधिक 206 मुकदमें गढ़वाल के जिलों में दर्ज हुये हैं।

इस बात का खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन को पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है। उपलब्ध सूचना के अनुसार अनुसूचित जाति/जनजाति उत्पीड़न के कुल 360 अभियोग पिछले 3 वर्षों (2020, 2021 तथा 2022) में दर्ज कराये गये है। इसमें 2020 में 111, 2021 में 130 तथा 2022 में 119 मुकदमें दर्ज हुये हैं। कुमाऊं के 6 जिलों में 154 तथा गढ़वाल के 7 जिलों में 206 मुकदमें दर्ज हुये हैं। उत्तराखंड के सभी जिलों में ऐसे मुकदमें दर्ज हुये हैं। अपराध वार दर्ज हुये मुकदमों में हत्या के 10, डकैती व लूट का 1-1, अपहरण के 2, बलात्कार के 72, गंभीर चोट के 6, धारा 506 आई.पी.सी. (धमकी) के 21, अन्य अपराधों के 176, एस.सी.एस.टी. एक्ट के 71 मुकदमें शामिल है। वर्ष 2022 में दर्ज 119 मुकदमों में हत्या के 3, डकैती व लूट, अपहरण का 1-1, बलात्कार के 24, गंभीर चोट के 3, धमकी के 3, अन्य 55 तथा एस.सी.एस.टी.एक्ट के 28 मुकदमें शामिल है। वर्ष 2021 में दर्ज 130 मुकदमों में हत्या के 3, अपहरण का 1, बलात्कार के 27, गंभीर चोट के 2, धमकी के 16, अन्य अपराधों के 59, एस.सी.एस.टी एक्ट के 22 मुकदमें शामिल है। वर्ष 2020 में दर्ज 111 मुकदमों में 4 हत्या, 21 बलात्कार, 1 गंभीर चोट, 2 धमकी, 62 अन्य अपराध, 21 एस.सी. एस.टी. एक्ट के मुकदमें शामिल है। जिलेवार अनुसूचित जाति जनजाति के विरूद्ध अपराधों में सर्वाधिक 96 मुकदमें हरिद्वार जिले में, दूसरे स्थान पर 66 उधमसिंह नगर में, तीसरे स्थान पर 48 देहरादून, चौथे स्थान पर 45 नैनीताल जिले में दर्ज हुये है।

अन्य जिलों में दर्ज मुकदमों में अल्मोड़ा में 12, बागेश्वर में 7, पिथौरागढ़ में 17, चम्पावत में 7, उत्तरकाशी में 14, टिहरी गढ़वाल में 23, चमोली में 3, रूद्रप्रयाग में 2, पौड़ी गढ़वाल में 19 मुकदमें शामिल हैं। वर्ष 2022 में दर्ज जिले वार अपराधों में 55 कुमाऊं के जिलों में तथा 64 गढ़वाल जिले में दर्ज हुये हैं। इसमें अल्मोड़ा जिले में 9, बागेश्वर व चम्पावत में 2-2, पिथौरागढ़ में 6, नैनीताल में 16 तथा उधमसिंह नगर जिले में 20 मुकदमें शामिल है। जबकि गढ़वाल के उत्तरकाशी में 5, टिहरी गढ़वाल में 8, चमोली में 1, रूद्रप्रयाग में 2, पौड़ी गढ़वाल में 3, देहरादून में 23 तथा हरिद्वार में जिले में 22 अपराधिक मुकदमें शामिल है। वर्ष 2021 में दर्ज जिलेवार मुकदमों में 59 कुमाऊं तथा 71 गढ़वाल के जिलों में दर्ज हुये हैं। कुमाऊं के जिलों में अल्मोड़ा में 1, बागेश्वर में 2, पिथौरागढ़ में 8, चम्पावत में 3, नैनीताल में 15, उधमसिंह नगर में 30 अपराधिक मुकदमें दर्ज हुये जबकि गढ़वाल के उत्तरकाशी में 4, टिहरी गढ़वाल में 7, चमोली में 2, पौड़ी गढ़वाल में 9, देहरादून में 10 तथा हरिद्वार में 38 अपराध दर्ज हुये हैं। इस वर्ष रूद्रप्रयाग जनपद में ऐसा कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। वर्ष 2020 में दर्ज जिलेवार मुकदमों में कुमाऊं के जिलों में 40 तथा गढ़वाल के जिलों में 71 मुकदमें दर्ज हुये हैं। कुमाऊं के जिलों में अल्मोड़ा तथा चम्पावत में 2-2, बागेश्वर तथा पिथौरागढ़ में 3-3 तथा नैनीताल में 14, उधमसिंह नगर जिले में 40 मुकदमें दर्ज हुये है। जबकि गढ़वाल के उत्तरकाशी में 5, टिहरी गढ़वाल में 8, पौड़ी गढ़वाल में 7, देहरादून में 15 तथा हरिद्वार में 36 मुकदमें दर्ज हुये हैं। इस वर्ष चमोली व रूद्रप्रयाग जिले में कोई अ.जाति, जनजाति उत्पीड़न/अपराध का मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

चोरी की बाइक सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है।

मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार बीती 12 जून को ग्राम शाहपुर निवासी जीशान ने थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि उसकी बाइक किसी अज्ञात चोर द्वारा ग्राम चोली बस अड्डे भगवानपुर से चोरी कर ली गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद उक्त चोरी में शामिल दो लोगों को चुरायी गयी बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया गया। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम सागर सैनी पुत्र बलबीर सैनी व हर्ष सैनी उर्फ फौजी पुत्र अरूण सैनी निवासी भोगपुर थाना फतेहपुर सहारनपुर बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

सीएम ने श्री कैची धाम की स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

देहरादून (सं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाबा नीम करौरी द्वारा स्थापित श्री कैची धाम के स्थापना दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दी। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी प्रदेशवासियों व सम्पूर्ण देश से आने वाले श्रद्धालुओं को श्रद्धा, भक्ति एवं विश्वास के पावन स्थल एवं हनुमान जी के अनन्य भक्त बाबा नीब करौरी द्वारा स्थापित कैंची धाम के स्थापना दिवस की शुभकामना दी। कैंची धाम के स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमन्त्री पुष्कर सिंह धामी ने दो घोषणाएं की। उन्होंने घोषणा की कि तहसील कोश्या कुटोली, जनपद नैनीताल का नाम बाबा नीब करौरी के धाम के नाम से तहसील ''श्री कैंची धाम'' होगा। वर्ष भर श्री कैंची धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम हो, इस हेतु भवाली सैनिटोरियम से रातीघाट तथा भवाली सैनिटोरियम से नैनी बैण्ड के बाईपास सड़क का निर्माण तीव्रता से करते हुए अगले वर्ष श्री कैंची धाम के स्थापना दिवस से पूर्व पूर्ण कराने का प्रयास किया जायेगा।

ये मूर्धानः क्षितीनामदब्धासः स्वयशसः।
व्रता रक्षन्ते अद्रुहः॥

(ऋग्वेद ८-६७-१३)

देश के प्रशासन में ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो गुणों में श्रेष्ठ, दूसरों की प्रगति देखकर ईर्ष्या ना करने वाला, जो वीर हो और देश के साथ द्रोह ना करें। ऐसा व्यक्ति ही ईश्वरीय और लौकिक नियमों का पालन करने और करवाने में सक्षम होता है।

There should be such a person in the administration of the country who is superior in qualities, who is not jealous of the progress of others, who is brave, and who does not betray the country. Only such a person is able to follow and implement the divine and cosmic laws.

(Rig Ved 8-67-13)

अर्माडा मार्ट बाजार खोलने के नाम पर ठगे 10 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। अर्माडा मार्ट बाजार खोलने के नाम पर दस लाख रूपये ठगने व सरकारी नौकरी छुडवाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेश विहार गंगानगर निवासी बृजमोहन मनोडी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने 30 नवम्बर 2022 तक भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) में नियुक्त रहते हुए देश की सेवा की है। माह जुलाई 2022 में उसके एक परिचित के साथ दो व्यक्ति उसके घर ऋषिकेश जिला देहरादून में आये और अपना परिचय अर्माडा मार्ट बाजार नौयडा, उत्तर प्रदेश देते हुए कम्पनी का प्लान समझाते हुए घर के पास ही उसकी खाली दुकान में मार्ट खोलने का ऑफर दिया गया तथा उसका मोबाईल नम्बर उसके परिजनों के लेकर उससे सम्पर्क कर मार्ट खुलने पर तरह-तरह के प्रलोभन देते हुए नौकरी छोड़ने और कम्पनी में सांझा काम करने तक का प्रलोभन दिया गया। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा पूर्व में तो उसके द्वारा मना कर दिया गया तो उनके द्वारा गुगल एप के माध्यम से अर्माडा मार्ट बाजार के बारे में जानना एवं कम्पनी के व्यक्तियों द्वारा बार-बार घर पर आकर लगातार अलग-अलग तरीके से प्रलोभन देना शुरू कर दिया और बार-बार फोन कर उसको उक्त के ऑफरों की ओर ध्यान भटकाते हुए दुकान का किराया 15 हजार रूपये मासिक देना, मार्ट में हुए सेल का 2.75 प्रतिशत देना, कम्पनी में एक बार 10 लाख रूपये करने पर 30 माह तक 40 हजार रूपये देने की बातें कहते नौकरी छोड़ने तक की सलाह देकर कम्पनी के साथ काम करने का प्रलोभन दिया गया। उसके द्वारा अर्माडा मार्ट बाजार बेवसाइट पर जाकर देखा तथा अर्माडा मार्ट बाजार कम्पनी से जुड़े लोगों से वार्ता की गयी तो सभी ने अच्छा बताया जिस पर 05 सितम्बर 2022 को उसके पिता राजेन्द्र प्रसाद मनोडी के बैंक खाता ऋषिकेश, उत्तराखण्ड से अर्माडा मार्ट बाजार नौयडा के नाम पर 10 लाख रूपये ट्रांसफर कर दिया और उनके कहने पर अपनी सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। लेकिन उसके बाद कम्पनी के अधिकारियों से उसने कई बार बात की तो वह मार्ट खोलने के लिए समय देते रहे। काफी समय बीत जाने के बाद उसने जब अपने रूपये वापस मांगे तो उन्होंने पैसे देने से इंकार कर उसको धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर पर फेशियल ब्लीच करते हुए बरतें ये सावधानियां ताकि स्किन ना जले

चेहरे और गर्दन के अनचाहे बालों का रंग हल्का करने के साथ ही ब्लीच हमारी स्किन को साफ करने का काम भी करती है। स्किन की अनइविन टोन की समस्या दूर करती है। फेस पर ग्लो लाने का काम करती है। सबसे खास बात यह है कि यह हमें वैक्सिंग के दौरान होनेवाले दर्द से मुक्ति दिलाती है। तो यहां जानिए घर पर फेशियल ब्लीच करते वक्त आपको कौन-सी सावधानियां बरतनी चाहिए, क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए ताकि आपका फेशियल ब्लीच करने का अनुभव अच्छा रहे...

-ब्लीच करने के लिए सही कंपनी के प्रॉडक्ट चुने। मार्केट की ट्रस्टेबल और अच्छी कंपनियों की ब्लीच किट को चुनना ही सही है।

- कई ब्रैंड्स अलग-अलग स्किन टाइप और कॉम्प्लैक्शन के लिए अलग-अलग ब्लीच लॉन्च करते हैं, ये खासतौर पर उस तरह की त्वचा की संवेदनशीलता और जरूरत को ध्यान में रखकर प्रड्यूस की जाती हैं। ऐसे में वही ब्लीच चुनें, जो आपकी स्किन के लिए सही हो।

-पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए। ब्लीच को अपने पूरे फेस पर अप्लाई करने से पहले एक छोटे हिस्से में इसे अप्लाई करें और देखें कि आपकी स्किन पर जलन या दानों की समस्या तो नहीं हो रही है। सभी ब्लीच शुरू के 1 मिनट में हल्की जलन तो देती हैं लेकिन यह सहन करने लायक होती है। अगर आपको तेज जलन हो रही हो तो इस ब्लीच को साफ कर लें और पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से बचें।

-चेहरे पर ब्लीच लगाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि यह आपकी आंखों, नाक और कानों में नहीं जानी चाहिए। ऐसा होना आपको परेशानी में डाल सकता है।

- अगर आपके चेहरे पर दानें, जलन या खुजली की समस्या पहले से हो तो ब्लीच का उपयोग भूलकर भी ना करें। आइब्रो और फोरहेड के उन बालों पर ब्लीच ना लगाएं, जिन्हें आप उनके नैचरल फॉर्म में रखना चाहती हैं।

- ब्लीच से पहले और बाद में त्वचा के ऊपर क्लींजर का उपयोग ना करें। ऐसा करने से आपकी स्किन पर जलन बढ़ सकती है।

-कपड़ों को ब्लीच से दूर रखें। इसमें केमिकल्स होते हैं, जो आपके कपड़ों का रंग खराब कर सकते हैं। ब्लीच से अगर कपड़े का रंग उड़ जाता है या कपड़ा कट जाता है तो फिर इसे पहली की तरह ठीक नहीं किया जा सकता।

-आइस क्यूब साथ में रख लें, तभी ब्लीच करें। नहीं तो चिल्ड रोज वॉटर और रेग्युलर वॉटर भी आप यूज कर सकती हैं। कोल्ड कंप्रेस भी इस पर ठीक से काम करेगा। अगर ब्लीचिंग करने के बाद चेहरे पर जलन महसूस हो तो आइस क्यूब लगा लें। नहीं तो कॉटन से चिल्ड रोज वॉट और रेग्युलर वॉटर लगाएं। (आरएनएस)

ऑयली बालों में नहीं करना पड़ेगा बार-बार शैंपू, ये 3 उपाय आएंगे काम

बालों में शैंपू करने के दूसरे दिन तब बाल बेहद सुलझे हुए रहते हैं। मगर वहीं, गर्मी के दिनों में धुले हुए बाल भी ऐसे दिखाई देते हैं कि मानों उन्हें 10 दिन से शैंपू ही नहीं किया गया हो। गर्मी के दिनों में बालों में धूल-पसीना और ऑयल जम जाता है, जिससे बाल चिपके हुए से दिखते हैं।

ऐसे में ड्राई शैंपू बेहद असरदार साबित हो सकता है। क्या आप जानती हैं कि 15वीं शताब्दी में एशियाई महिलाएं अपने बालों में लाल मिट्टी के पाउडर का इस्तेमाल करती थीं, ताकि वे स्कैल्प से नमी को अवशोषित कर सकें और उनकी स्कैल्प साफ हो सके? जी हां, ड्राई शैंपू बिना बालों को गीला किए ही बालों से नमी को सोखकर उन्हें फिर से फ्रेश लुक देने का काम करता है। यदि आप अपने बालों को हर दिन धोने से बचाना चाहती हैं, तो यहां जानें इसे घर पर बनाने की विधि....

चावल का आटा- कॉर्नस्टार्च से पाएं मजबूत बाल

2 बड़े चम्मच चावल के आटे को 2 बड़े चम्मच कॉर्नस्टार्च के साथ मिलाएं। फिर इसमें 4-5 बूंदें पेपरमिंट ऑयल की मिक्स करें। इसे सिर पर ब्रश की मदद से लगाएं। चावल का आटा आपके बालों में मजबूती भरेगा और उन्हें हानिकारक यूवी किरणों से भी बचाएगा। जबकि कॉर्नस्टार्च ग्रीस और अतिरिक्त सीबम को खत्म करने का काम करता है।

ओटमील और सोडा से पाएं मुलायम बाल

बेकिंग सोडा स्कैल्प से एक्सट्रा ऑयल को सोखता है। यह गंध को खत्म करने में भी मदद करता है। अगर आपको लगता है कि इससे आपके बाल काफी रूखे हो जाएंगे तो इसके बचाव के लिए ओटमील पाउडर है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्कैल्प की देखभाल करते हैं। आपको बस एक कटोरे में 1 कप ओटीमील और उतना ही बेकिंग सोडा मिक्स करना है। आप चाहें तो ओट्स की जगह पर कॉर्नस्टार्च यूज कर सकते हैं।

कॉर्नस्टार्च-कोको पाउडर से पाएं सुंदर बाल

कप कॉर्नस्टार्च, कप कोको पाउडर और द बड़ा चम्मच दालचीनी पाउडर अच्छी तरह से मिलाएं। इसे बालों में ब्रश या हाथों की मदद से लगाएं। यह नुस्खा काले बालों के लिए विशेष रूप से बढ़िया है। इस पैक में यूज होने वाला कॉर्नस्टार्च आपके बालों को तरोताजा कर देगा। वहीं, कोको पाउडर बालों पर गहरा रंग छोड़ेगा। साथ ही यह बालों को हेल्दी बनाकर उसकी ग्रोथ को बढ़ाता है। (आरएनएस)

कीवी खाने से मजबूत होगी इम्यूनिटी

फलों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। यह हमारे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं के उपचार में तो सहायक होते ही हैं साथ ही साथ यह हमें विभिन्न प्रकार की बीमारियों से भी बचाए रखते हैं। इन्हीं फलों में से एक गुणकारी फल का नाम कीवी है। यह तो किसी भी फ्रूट शॉप पर बड़ी आसानी से मिल जाएगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक साबित होगा।

कीवी फल को खाने से होने वाले सात प्रमुख स्वास्थ्य फायदों को यहां बताया जा रहा है, जिसके बाद आप भी इस फल को अपनी डायट में शामिल करके सेहतमंद बने रह सकते हैं। इतना ही नहीं, तेजी से बढ़ रहे संक्रमण को रोकने के लिए आयुष मंत्रालय ने भी इम्यूनिटी बढ़ाने के कुछ टिप्स जारी किए हैं।

बूस्ट करेगा इम्यून सिस्टम

सबसे पहले अगर बात की जाए कीवी फल को खाने से होने वाले फायदे के बारे में तो वह आपके रोग प्रतिरोधक क्षमता पर सक्रिय रूप से असर डालता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कीवी फल में विटामिन सी की मात्रा पाई जाती है जो इम्यून सेल्स को मजबूत करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बूस्ट करने में मदद करता है। इसलिए एक इम्यूनिटी बूस्टर फ्रूट के रूप में आप इसका सेवन कर सकते हैं।

आंखों के स्वास्थ्य के लिए

आंखों के स्वास्थ्य के लिए भी कीवी फल के फायदे देखे जा सकते हैं क्योंकि इसमें ल्यूटिन नामक पौष्टिक तत्व पाया जाता है। यह आंखों के लिए बेहद स्वास्थ्यवर्धक होता है। इसका कार्य आंखों की रेटिना को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उसमें होने वाली किसी भी बीमारी से भी बचाए रखने का है। इसलिए आंखों से जुड़ी हुई समस्या से बचे रहने के लिए भी आप कीवी फल का सेवन कर सकते हैं।

डायबिटीज से बचाए रखने में मदद करे

डायबिटीज की समस्या से बचे रहने के लिए भी कीवी फल का सेवन काफी फायदेमंद रहेगा, क्योंकि इस फल में एंटीडायबेटिक गुण होने के साथ-साथ ब्लड शुगर की मात्रा कम करने की भी क्षमता पाई जाती है। इसलिए डायबिटीज के जोखिम से बचे रहने की साथ-साथ इस बीमारी की चपेट में आने से बचे रहने के लिए भी कीवी फल का सेवन आप नियमित रूप से कर सकते हैं।

कैंसर से बचाने में मददगार

कैंसर आज एक जानलेवा बीमारी बन चुकी है जिसके कारण हर साल हजारों लोगों की मौत होती है। इसलिए हमें अपने खान-पान के प्रति बेहद सतर्क रहना चाहिए ताकि हम ऐसी जानलेवा बीमारियों से बचे रहें। कीवी फल का सेवन आपको इस घातक बीमारी से बचाए रखने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें एंटी-कैंसर गुण मौजूद होता है। इसलिए यदि अगर आप हफ्ते में तीन से चार बार भी कीवी फल का सेवन करते हैं तो यह आपको कैंसर के खतरे से काफी हद तक बचाए रखेगा।

मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए

मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए भी कीवी फल काफी फायदेमंद साबित होगा । इसमें मौजूद विटामिन सी की मात्रा एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में चेहरे की त्वचा के लिए कार्य कर सकती है। एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटी कील मुहांसों की समस्या को खत्म करके चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बों को भी दूर करने में काफी मददगार साबित होती है इसलिए अगर आप भी मुंहासों की समस्या से परेशान हैं तो कीवी फल का सेवन करके इसके फायदे देख सकते हैं।

बालों के लिए

बालों से जुड़ी हुई समस्या अब धीरे-धीरे आम होती जा रही है। वहीं, कई लोग रूसी और बाल झड़ने की समस्या से परेशान रहते हैं। इससे बचे रहने के लिए कीवी फल काफी फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि इसमें विटामिन सी के साथ-साथ विटामिन ए और विटामिन बी भी पाया जाता है। यह बालों के लिए बहुत जरूरी पौष्टिक तत्व माने जाते हैं जिनका सेवन करने से न केवल बालों से रूसी की समस्या खत्म होती है बल्कि बालों की जड़ें मजबूत होने के साथ-साथ बाल झड़ना भी काफी हद तक कम हो जाता है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में

ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने से कई प्रकार के हृदय रोगों से तो बचने में मदद मिलती ही मिलती है साथ ही साथ स्ट्रोक का खतरा भी काफी हद तक कम हो जाता है। कीवी फल में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में काफी हद तक सक्षम होते हैं। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को रोज सुबह कीवी फल का सेवन जरूर करना चाहिए।

गर्भावस्था में कब शुरु कर सकते हैं शहद खाना

शहद स्वादिष्ट और पौष्टिक होने के साथ-साथ चीनी का स्वस्थ विकल्प भी होता है। बच्चों से लेकर बूढ़े तक शहद का सेवन कर सकते हैं। इतना ही नहीं प्रेग्नेंसी में भी शहद खाने की सलाह दी जाती है लेकिन क्या आप ये जानती हैं कि गर्भावस्था में शहद कब और कितनी मात्रा में खाना चाहिए और इसके लाभ क्या हैं।

इस लेख के जरिए हम आपको यही बताने जा रहे हैं कि प्रेगनेंसी में शहद खाना चाहिए या नहीं।

प्रेगनेंसी में शहद खा सकते हैं क्या?

जी हां, गर्भावस्था के दौरान शहद का सेवन करना सुरक्षित है और आप डॉक्टर की सलाह पर अपने आहार में भी इसे शामिल कर सकती हैं। प्रेग्नेंसी में शहद के सेवन को लेकर एक दिक्कत यह होती है कि इसकी वजह से बोटुलिज्म हो सकता है। हालांकि, ये केवल एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ही प्रभावित करता है।

वयस्कों के पेट में ऐसा बैक्टीरिया होता है जो बोटुलिनम टॉक्सिन से बचाता है और गर्भवती महिलाओं में भी ऐसा कम ही होता है। हालांकि, फिर भी एहतियात के

तौर पर आपको गर्भावस्था के दौरान पाश्चुरीकृत शहद ही खाना चाहिए।

प्रेग्नेंसी में कितना शहद खा सकते हैं

गर्भावस्था में सीमित मात्रा में ही किसी भी चीज का सेवन करना लाभकारी रहता है। इस दौरान महिलाओं को 180 से 200 कैलोरी की जरूरत होती है इसलिए आपको कैलोरी की मात्रा को संतुलित रखने के लिए प्रतिदिन तीन से पांच चम्मच शहद खाना चाहिए।

गर्भावस्था में शहद खाने के फायदे

1.इम्यून सिस्टम = बीमारियों से बचने के लिए प्रतिरक्षा तंत्र का मजबूत होना बहुत जरूरी है। शहद के एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुण इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं।

2.जुकाम से राहत = इम्युनिटी कमजोर होने के कारएण प्रेग्नेंसी में जुकाम और सर्दी-खांसी आसानी से जकड़ लेती हैं। ऐसे में शहद आपको राहत दिला सकता है।

3.स्ट्रेस से राहत = प्रेग्नेंसी में कई तरह के बदलावों के कारण महिलाओं को तनाव होने लगता है जिससे अनिद्रा की परेशानी हो जाती है। रात को सोने से पहले दूध में शहद मिलाकर पीने से अच्छी नींद आती है। यदि गर्भावस्था में उच्च मात्रा में शहद का सेवन किया जाए तो इस वजह से ऐंठन, पेट फूलने और दस्त की समस्या हो सकती है। शहद में मौजूद शुगर की अधिक मात्रा दांतों को नुकसान पहुंचा सकती है।

औरत के दैहिक अधिकार को लेकर फैसला

अजय दीक्षित

केरल उच्च न्यायालय ने इधर औरत के दैहिक अधिकार को लेकर जो महत्त्वपूर्ण फैसला दिया है, उसकी न केवल भरपूर सराहना की जानी चाहिये, बल्कि औरत की अग्रगामिता के हक उसका स्वागत भी किया जाना चाहिये। केरल की महिला अधिकार कार्यकर्ता रेहाना फातिमा ने कुछ वर्ष पूर्व अपने शरीर के ऊपरी भाग पर अपने दो अवयस्क बच्चों की पेंटिंग कराई थी और इसके वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया था। इस पर पुरुषवादी पुरातनपंथियों ने जमकर हो-हल्ला मचाया था। फातिमा के इस कृत्य को अश्लील और वाल अधिकारों का हनन बताकर उनके विरुद्ध पोक्सो एक्ट तथा सूचना प्रौद्योगिकी कानूनों के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्रवाई की गई। फातिमा ने इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी और अंततः उन्हें सभी आरोपों से वरी कर दिया गया। फैसला सुनाते हुये न्यायाधीश ने फातिमा के इस तर्क को पूरी तरह स्वीकार किया कि उनकी देह उनकी है, जिस पर उनका पूरा अधिकार है। उनके अर्धनग्न प्रदर्शन को पुरुष- स्थापित नैतिकता के मानदण्डों के अनुसार न तो अश्लील माना जाना चाहिये और न ही यौन उत्तेजक । न्यायाधीश ने अपने फैसले में जिन बातों को स्थापित किया वे कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण हैं। कहा गया कि औरत के ऊपरी हिस्सों का नग्न प्रदर्शन सिर्फ इसलिए कि वह औरत का है, अश्लील, अशोभनीय और यौनिक नहीं माना जा सकता। समाज की नैतिकता और कानून हमेशा एक रूप नहीं होते । समलैंगिक विवाह, लिव इन रिश्ते समाज की दृष्टि से अनैतिक हो सकते हैं, लेकिन कानून की दृष्टि से ये अपराध नहीं हैं। इसलिए दण्डनीय भी नहीं हैं। समाज की नैतिकता और कुछ लोगों की भावनाएं किसी व्यक्ति के कृत्य को अपराध नहीं बना सकतीं। इस मामले में नैतिकता के दोहरे मापदण्ड नहीं अपनाए जा सकते। अगर औरत का अंग प्रदर्शन अश्लील है, तो पुरुषों के इसी तरह के प्रदर्शन को भी अश्लील माना जाना चाहिए अन्यथा एक औरत को भी यह अधिकार होना चाहिए कि वह स्वेच्छा से अपनी देह का प्रदर्शन कर सके । रेहाना फातिमा ने कहा कि शरीर पर पेंटिंग का उसका यह कार्य वस्तुतः औरत की देह को लेकर स्थापित पुरुषवादी रूढ़ मान्यताओं को चुनौती देने और उनसे मुक्ति का एक प्रयास था जिसे अदालत ने यथावत स्वीकार किया है। वस्तुतः यह फैसला औरत के हक की लड़ाई में जीत का एक पड़ाव माना जाना चाहिये ।

हवाई बातों से क्या होगा ?

यूबीआई के पीछे विचार यह है कि वर्तमान आर्थिक नीतियों से जिन लोगों की जिंदगी मुहाल हो गई है, उनके जख्मों पर प्रत्यक्ष धन हस्तांतरण के जरिए महरम लगाया जाए। लेकिन अब साफ है कि वर्तमान सरकार उसकी जरूरत महसूस नहीं कर रही है। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कुछ ऊंचे दावे किए हैं और साथ ही यूनिवर्सल बेसिक इनकम (यूबीआई) की भारत में जरूरत को सिरे से नकार दिया है। यह गौर करने की बात है कि वर्तमान सरकार के ही एक पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार की पहल पर भारत में यूबीआई बहस में केंद्र में आई थी। नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में सलाहकार रहे अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम ने 2017 में संसद में पेश अपने आर्थिक सर्वेक्षण में भारत में यह योजना शुरू करने की जरूरत बताई थी। असल में यूबीआई उसी नव-उदारवादी सोच से निकली एक योजना है, जिसे पिछले साढ़े तीन दशक पहले भारत में अपनाया गया था। तब योजनाबद्ध विकास के आर्थिक ढांचे को बदलने के लिए जिन आर्थिक 'सुधारों' पर अमल शुरू हुआ, उसे मानवीय चेहरा देने की जरूरत महसूस की जाती थी। यूबीआई उसी नजरिए से निकली एक सोच है, जिसके पीछे विचार यह है कि कथित ढांचागत बदलाव से जिन लोगों की रोजी-रोटी छिन गई है या जिनकी जिंदगी मुहाल हो गई है, उनके जख्मों पर प्रत्यक्ष धन हस्तांतरण के जरिए महरम लगाया जाए। लेकिन अब साफ है कि वर्तमान सरकार उसकी जरूरत महसूस नहीं कर रही है। इसीलिए प्रधानमंत्री ने 卐रेवड़ी कल्चर卐 के खिलाफ मुहिम छेड़ी है और इस साल के बजट में तमाम कल्याण योजना के मद में कटौती कर दी गई थी। नागेश्वरन ने उसी सोच को आगे बढ़ाया है। बहरहाल, उनका यह दावा खोखला है कि भारत ने ऊंची आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर ली है और चीन की तरह वह लंबे समय तक इसे बनाए रखेगा। नागेश्वरन ने कहा कि इस आर्थिक वृद्धि से लोगों की तमाम जरूरतें पूरी हो जाएंगी, इसलिए यूबीआई की 'पतित संस्कृति' को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता नहीं है। मगर मुद्दा यह है कि अगर महामारी काल में आई भारी गिरावट को ध्यान में रखें और 2018-19 से 2022-23 के जीडीपी की तुलना करें, तो भारत की औसत वृद्धि दर साढ़े तीन प्रतिशत के करीब बैठती है। यह किसी लिहाज से ऊंची विकास दर नहीं है। इस असलियत की रोशनी में नागेश्वरन के दावे कहां ठहरते हैं? (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

हेल्दी बॉडी के लिए पानी जरूरी...!

एक हेल्दी शरीर सही ढंग से काम करे.... इसलिए जरूरी है पानी! लेकिन क्या बूढ़े, वयस्क और किशोर सभी के लिए पानी की मात्रा एक समान होगी, जवाब है नहीं... दरअसल शरीर को सही तरह से काम करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यक्ता होती ही है, क्योंकि हमारा शरीर करीब-करीब 65-7० प्रतिशत तक पानी से बना होता है, इस लिहाज से विभिन्न कार्यों के लिए पानी बेहत जरूरी है, लेकिन ये जरूरत उम्र, लिंग, शारीरिक वजन या फिर जलवायु के आधार पर भिन्न-भिन्न हो सकती है. ऐसे में आइये आज समझे कि अलग-अलग उम्र के लोगों में अपने शरीर के हिसाब से कितना पानी चाहिए, साथ ही जानेंगे क्या हो अगर हमारे शरीर को पर्याप्त पानी न मिले...

किसे कितना पानी पीना चाहिए?

बूढ़े व्यक्तिः अगर उम्र 65 साल या उससे ज्यादा है, तो आपको रोजाना करीब 8-11 कप या 2००० से 3००० मिलीलीटर तक पानी पीने की जरूरत है, क्योंकि इस उम्र में डिहाइड्रेशन का खतरा कई गुना तक बढ़ जाता है, ऐसे में अगर शरीर को सही मात्रा में पानी नहीं मिला तो इससे उन्हें

खतरा है.

वयस्कः अगर उम्र 19 से 64 साल के बीच है तो प्रति दिन 8-11 कप यानि 2००० से 3००० मिलीलीटर तक पानी का सेवन करना चाहिए, बिल्कुल 65 साल या उससे ज्यादा उम्र वालों की तरह.

किशोरावस्थाः 14 से 18 साल की उम्र वाले लोग यानि कि किशोरावस्था के लोगों को हर दिन 19०० से 26०० मिलीलीटर यानि 8-11 कप तक पानी उनके शरीर के लिए जरूरी है.

9-13 साल के बच्चेः इस उम्र के बच्चों को भी अपनी सेहत सही रखने के लिए रोजाना 7 से 8 कप या 16००-19०० मिलीलीटर तक पानी का सेवन करना चाहिए.

4 से 8 साल के बच्चेः इस उम्र के बच्चे अगर प्रतिदिन 12०० मिलीलीटर या 5 कप तक पानी पीएं, तो उनकी सेहत के लिए बेहतर है, साथ ही उनके शरीर को एनर्जी भी मिलेगी.

1-3 साल के बच्चेः अगर बच्चे की उम्र अभी महज 1-3 साल के बीच है तो हर दिन 4-5 कप या 8००-1००० मिलीलीटर तक पानी उसके लिए पर्याप्त है. इससे उसका शरीर स्वस्थ रहेगा. (आरएनएस)

गर्मियों के मौसम में टैनिंग से पाएं छुटकारा

गर्मियों के मौसम में अपनी त्वचा को खूबसूरत और बेदाग रखना है... एक तरीका है! दरअसल गर्मी में सूरज की तेज किरणें हमारी त्वचा को तमाम तरह से नुकसान पहुंचाती है, जिससे हमारे माथे पर टैनिंग की शिकायत हो जाती है, ऐसे में हम कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं, मगर माथे का कालापन फिर भी साफ नजर आता है, ऐसे में आज कुछ आसान तरीकों के बारे में बात करेंगे, जिससे आप अपने माथे के कालेपन को जड़ से खत्म कर सकते हैं, ताकि आपकी त्वचा पर निखार झलकने लगे... आइए जानते हैं वो कौन से तरीके हैं.

हल्दी- एंटीबैक्टीरियल और रंगत निखारने वाली हल्दी के इस्तेमाल से माथे की टैनिंग हटा सकते हैं. इसके उपयोग से माथे का कालापन को दूर किया जा सकता है. इसके लिए आपको पहले कच्चा दूध लेना होगा, फिर उसमें हल्दी मिलाकर माथे पर लगाकर 2० मिनट तक सूखने देना होगा. इसके बाद हल्के हाथों से रगड़ कर साफ कर लेना होगा. रेगुलर ऐसा करने पर माथे की टैनिंग दूर हो जाएगी.

शहद और नींबू- शहद और नींबू का मिश्रण भी माथे की टैनिंग दूर करने के लिए कारगर है. इसके लिए आपको एक चम्मच शहद में, एक चम्मच नींबू का रस मिलाना है, फिर उसे उंगलियों से सिर पर लगाकर घंटाभर छोड़ देना होगा, जिससे आपके माथे की टैनिंग हल्की हो जाएगी. होता यूं है कि दरअसल ब्लीचिंग गुण से भरपूर नींबू मैल को हटाकर स्किन टोन को मेंटेन करता है.

बादाम का तेल- बस एक चम्मच बादाम का तेल, आपकी टैनिंग की समस्या को दूर कर सकता है. पहले आप एक कटोरी में बादाम का एक चम्मच तेल, दूध का पाउडर और शहद मिलाएं, इसे पेस्ट बनाकर अपने माथे पर लगाएं, फिर सूखने के लिए छोड़ दें. बाद में साफ कर दें और ये आपके माथे का कालापन गायब हो जाएगा. (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -048

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

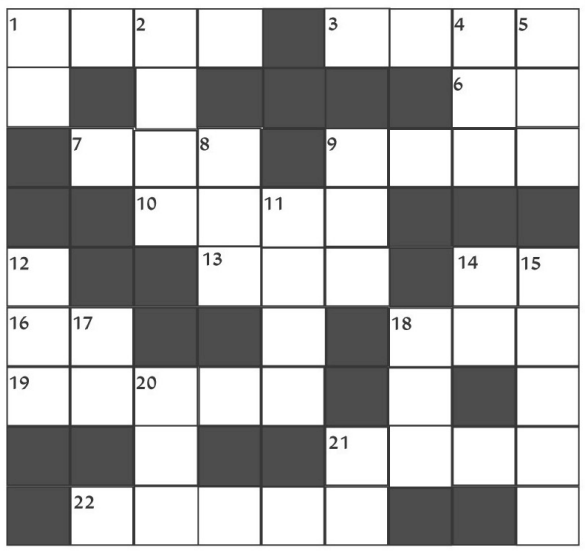

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 47 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

‘द नाइट मैनेजर सीजन 2’ के जरिए धमाल मचाने को तैयार हैं अनिल कपूर

अनिल कपूर स्टारर वेब सीरीज द नाइट मैनेजर का पहला सीजन हिट रहा था। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई इस सीरीज पर दर्शकों ने जमकर प्यार लुटाया था। साथ ही फैन्स को सीरीज के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार था। अब दर्शकों का इंतजार समाप्त हो गया है।

अनिल कपूर ने अपनी सीरीज के दूसरे सीजन के रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूर स्टारर सीरीज ‘द नाइट मैनेजर सीजन 2’ अब 30 जून को रिलीज कर दिया जाएगा। इसको लेकर काफी बज बना हुआ है। अनिल कपूर इस सीरीज में एक आर्म्स डीलर की भूमिका निभा रही हैं।

बॉलीवुड स्टार अनिल कपूर इस सीरीज में शानदार किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। सीरीज में अनिल कपूर एक हथियार डीलर की भूमिका को जीवंत करते दिख रहे हैं। अनिल कपूर के साथ आदित्य रॉय कपूर भी इस सीरीज में अहम किरदार निभा रहे हैं। आदित्य रॉय कपूर एक अंतरराष्ट्रीय आर्म सिंडिकेट के बारे में जानकारी खोजने के लिए के लिए सरकार द्वारा लगाए गए एक एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं। यह सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 30 जून को रिलीज होगी।

अनिल कपूर के साथ ये सितारे निभाएंगे मुख्य किरदार

इस वेब सीरीज में अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूर अहम भूमिका में नजर आए हैं। इसके साथ ही दूसरे किरदारों में भी बेहतरीन एक्टर्स को कास्ट किया गया है। नाइट मैनेजर पार्ट 2 के डायरेक्टर संदीप मोदी हैं। सीरीज का निर्देशन प्रियंका घोष ने किया है। सीरीज में अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूर के साथ नाइट मैनेजर में शोभिता धूलिपाला, तिलोत्तमा शोम, रवि बहल और सास्वता चटर्जी भी प्रमुख भूमिकाएं निभाते नजर आएंगे।

रसिका दुगल ने उदयपुर में शुरु की नई वेब सीरीज की शूटिंग

एक्ट्रेस रसिका दुगल ने राजस्थान के झीलों के शहर उदयपुर में एक रोमांचक नई वेब सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है।

प्रोजेक्ट डिटेल्स को गुप्त रखा गया है, सूत्रों ने खुलासा किया है कि यह एक प्रमुख प्रोडक्शन हाउस द्वारा उच्च अपेक्षित प्रोडक्शन है। रसिका मुख्य किरदारों में से एक की भूमिका निभाएंगी।

रसिका ने पहला शेड्यूल शुरू करने के लिए जून के पहले सप्ताह में उदयपुर के लिए फ्लाइट से उड़ान भरी थी, जो जुलाई के पहले सप्ताह तक चलेगा। इसके बाद, शूटिंग अगस्त में दूसरे शेड्यूल के लिए मुंबई जाएगी।

रसिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नए प्रयास के लिए अपना उत्साह साझा किया, जहां उन्होंने एक शानदार पृष्ठभूमि के साथ स्क्रिप्ट पढ़ते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। नए प्रोजेक्ट के बारे में इशारा करते हुए उन्होंने उदयपुर डायरीज, शूट लाइफ और उदयपुर समेत हैशटैग का इस्तेमाल किया।

उनकी आगामी रिलीज में अमेजन प्राइम सुपरनैचुरल थ्रिलर च्अधूराज् है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने का वादा करती है। रसिका ने हाल ही में मिर्जापुर के बहुप्रतीक्षित तीसरे सीजन की शूटिंग पूरी की है, जो इस साल रिलीज होने वाली है।

रसिका दुगल जल्द ही अपकमिंग प्रोजेक्ट में च्स्पाइकज्, च्लॉर्ड कर्जन की हवेलीज्, च्फेयरी फोकज् और च्लिटिल थॉमसज् में नजर आएंगी।

एकता कपूर का कहानी घर घर की फिर होगा टेलीकास्ट, फैंस हुए खुश

बीते दिन एकता कपूर ने अपना जन्मदिन मनाया. एकता कपूर को टीवी इंडस्ट्री की क्वीन भी माना जाता है. एकता ने एक निर्माता के तौर पर टेलीविजन इंडस्ट्री को कई सारे हिट शोज दिए हैं. उन्हीं में से एक एक्ट्रेस साक्षी तंवर के लीड रोल वाला शो कहानी घर घर की. इस शो ने अपने समय में टीआरपी चार्ट पर राज किया और शो के सभी किरदार घर-घर में मशहूर हो गए. किरण कर्मकार और साक्षी तंवर ने शो में मुख्य भूमिकाएँ निभाई थी. इस शो ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और यह उन शोज में से था जो आठ साल तक चला था. इस शो को दर्शकों से अपार प्यार और तारीफें भी मिली.

आपको बता दें कि, इस शो में साक्षी तंवर को पार्वती के रूप में पसंद किया गया और सराहा भी गया. दर्शकों ने खुद को पार्वती से जोड़ा. एकता कपूर डेली सोप की रानी हैं और उन्होंने जो शो किए, उन्होंने पूरे देश के परिवारों को एक साथ मिला दिया और कहानी घर घर की इसका एक उदाहरण है. साथ ही आज हम कहानी घर घर की के फैंस के लिए एक खुशखबरी लेकर आए हैं. बता दें कि, इस शो का स्टार प्लस में दोबारा से टेलिकास्ट किया जा रहा है. स्टारप्लस अपने दर्शकों को दिलचस्प कंटेंट देने के लिए जाना जाता है. यह कहना सही होगा कि यह चैनल, विशेष रूप से, एक ऐसा केंद्र है जहां दर्शक अनुपमा, ये रिश्ता क्या कहलाता है, तेरी मेरी डोरियां, इमली और जैसे शोज को देखना पसंद करते हैं.

यही नहीं, स्टारप्लस ने हमेशा अपने दर्शकों को अपनी कहानी के प्लॉट के साथ टेलीविजन स्क्रीन से जोड़े रखना पक्का किया है. स्टारप्लस के शोज में फीमेल लीड शोज को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है.

रणवीर सिंह डॉन 3 और बैजू बावरा में आएंगे नजर!

साल 2022 रणवीर सिंह के लिए अच्छा नहीं गया था। उनकी फिल्म सर्कस का लोगों को काफी समय से इंतजार था, लेकिन जब फिल्म पर्दे पर आई तो दर्शक काफी निराश हुए। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। इसके बाद काफी समय से रणवीर की नई फिल्म की घोषणा नहीं हुई है, ऐसे में उनके स्टारडम की चमक भी फीकी हो रही थी। अब आखिरकार रणवीर ने अपने लिए नई फिल्में चुन ली हैं।

रणवीर सिंह इन दिनों फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा फिलहाल उनकी किसी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर ने अपनी आने वाली 2 फिल्में साइन कर ली हैं, जिनकी शूटिंग वह 2024 और 2025 तक पूरी होगी। रिपोर्ट की मानें तो रणवीर डॉन 3 और बैजू बावरा का हिस्सा बन गए हैं।

रणवीर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा के लिए हां कर दी है। फिल्म के लिए रणवीर का नाम लगभग तय माना जा रहा था, लेकिन पैसों को लेकर बात नहीं बन रही थी। रणवीर इससे पहले गोलियों की रासलीला: रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत में भंसाली के साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री के लिए आलिया का नाम पहले ही तय हो चुका है।

कुछ दिन पहले ही खबर आई थी कि डॉन 3 में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में नजर नहीं आएंगे। नई जानकारी के अनुसार, इस फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए रणवीर का नाम तय हो गया है। जल्द ही निर्माता एक वीडियो के जरिए इसकी घोषणा करेंगे। कुछ दिन पहले खबर आई थी कि रणवीर ने इस वीडियो की शूटिंग कर ली है। फरहान अख्तर अपनी फिल्म जी ले जरा के बाद डॉन 3 पर काम शुरू करेंगे।

इस बीच रणवीर, रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन की भी शूटिंग करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर इस फिल्म के लिए करीब 30 दिन तक शूटिंग करेंगे। सिंघम अगेन की कहानी में रणवीर का किरदार अहम है। फिल्म में उनकी उपस्थिति महज कैमियो नहीं, बल्कि कहानी की अहम कड़ी होगी। रणवीर, रोहित की कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंबा में नजर आए थे। अब सिंघम अगेन में इस यूनिवर्स के सभी किरदारों का मेल देखने को मिलेगा।

रणवीर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 जुलाई को रिलीज होगी। कुछ दिन पहले खबर आई थी कि रणवीर किशोर कुमार की बायोपिक में नजर आ सकते हैं। पहले इस फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे थे। आदित्य धर की फिल्म द इम्मेर्टल अश्वत्थामा में भी रणवीर की एंट्री की बात सामने आई थी। हालांकि, इस बारे में कुछ साफ नहीं हुआ। हाल ही में रणवीर ने हॉलीवुड एजेंसी ह्रुस्ध से भी हाथ मिलाया है।

सुई धागा के बाद एक बार फिर दिखाई देगी वरुण और अनुष्का की जोड़ी

अनुष्का शर्मा बेटी के जन्म के उपरांत एक लंबे वक्त से स्क्रीन से दूर हैं। हालांकि, उनकी मूवी चकदा एक्सप्रेस जल्द ही नेटफ्लिक्स पर इस साल के अंत तक रिलीज होने वाली है। यह एक बायोपिक है, जिसमें एक्ट्रेस महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी का किरदार निभाती हुईं दिखाई देने वाली है। लेकिन अब हाल ही में रिपोर्ट्स की मानें तो इस मूवी के उपरांत एक बार फिर से वह बड़े पर्दे पर अपने ऑडियंस के बीच आने की तैयारी कर रही हैं। खबरों का कहना है कि वह वरुण धवन के बाद एक बार फिर से बड़े पर्दे पर जवान के निर्देशक एटली की फिल्म में दिखाई दे सकती है।

बीते बहुत वक्त से मीडिया में ये खबर आ रही थी कि वरुण धवन जल्द ही साउथ के सबसे बेहतरीन डायरेक्टर्स में से एक एटली के साथ जल्द ही कार्य भी करते हुए दखाई देने वाले है। उनकी आगामी फिल्म एक्शन से भरपूर होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वरुण धवन के अपोजिट इस मूवी में मेकर्स ने अनुष्का शर्मा को अप्रोच किया है।

बता दें कि ये अनटाइटल मूवी एक एक्शन थ्रिलर होने वाली है, जिसे जवान के डायरेक्टर एटली कुमार, मुराद खेतानी के साथ मिलकर प्रोड्यूसर करने वाले है, जो इससे पहले कबीर सिंह और भूलभुलैया 2 जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुके है। रिपोर्ट्स का कहना है कि वरुण धवन स्टारर इस फिल्म में दो लीड एक्ट्रेस होने वाली है, जिसमें से एक रोल में अनुष्का शर्मा दिखाई देंगी और दूसरी लीडिंग लेडी की तलाश अब भी मेकर्स अब भी करने में लगे हुए है।

शबाना आजमी ने पूरे करियर में मेरा उत्साह बढ़ाया है : प्रतीक बब्बर

अभिनेता प्रतीक बब्बर जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी के साथ काम करते दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि शबाना आजमी ने उनके पूरे करियर के दौरान उनका उत्साह बढ़ाया है। प्रतीक और शबाना आजमी शेफ विकास खन्ना की किताब ‘इमेजिनरी रेन’ पर आधारित फिल्म में साथ नजर आएंगे। हाल ही में, एक इंटरव्यू के दौरान शबाना भावुक हो गईं क्योंकि वह हमेशा से उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर करती हुई आई हैं।

उन्होंने कहा, हां, हमने गुरुवार को यह स्क्रिप्ट पढ़ी थी। प्रतीक में बिल्कुल उनकी मां की छवि दिखाई देती है। बहुत ज्यादा समानता है। मुझे कई चीजें याद आ गई। प्रतीक के साथ काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।

अब उसी पर बात करते हुए, प्रतीक ने उनके साथ काम करने के लिए दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने साझा किया, शबाना मैम मेरे पूरे करियर में हमेशा बहुत उत्साहजनक रही हैं। मैंने अक्सर उनके साथ काम करने की इच्छा जताई है।

उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा से आशावादी था. यहां हम हैं. सिनेमा के ऐसे दिग्गज के साथ काम करना एक सम्मान और सौभाग्य की बात है. जिंदगी अप्रत्याशी और सुंदर तरीके से घूमकर आती है।

हादसों से सबक नहीं लेतीं सरकारें

अजीत द्विवेदी

ओडिशा के बालासोर में भयंकर ट्रेन हादसे के बाद घनघोर शोक और निराशा के समय में भी एक समूह ऐसा है, जो यह समझाने में लगा है कि ट्रेन हादसे पहले भी होते थे और अब प्रति लाख किलोमीटर की यात्रा में हादसों की संख्या पहले से बहुत कम हो गई है। इस तरह के किसी भी आंकड़े पर संशय नहीं किया जा सकता है। लेकिन क्या इससे ऐसा नहीं लगता है कि यह जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का एक मजबूत आधार तैयार करने की कोशिश है? यह भी सही है कि किसी का इस्तीफा लेने से मरने वालों का जीवन नहीं लौटेगा और न यह गारंटी होगी कि आगे ऐसी दुर्घटना न हो फिर भी इस्तीफा इस बात का संकेत होता है कि घटना को गंभीरता से लिया गया है, जवाबदेही तय की गई है और यह सुनिश्चित करने का प्रयास हुआ है कि आगे ऐसी घटना न हो। इस्तीफा न भी हो तब भी किसी आंकड़े के दम पर रेलवे में सब कुछ ठीक होने का नैरेटिव बनवाना अच्छी बात नहीं है।

कायदे से इस बात को स्वीकार करना चाहिए कि रेलवे की सेहत ठीक नहीं है। पिछले कई दशक से रेलवे का इस्तेमाल राजनीति चमकाने के लिए ज्यादा हुआ है। इसका कामकाज गुणवत्तापूर्ण नहीं है। रेलवे की बुनियाद मजबूत करने की बजाय चमक-दमक पर ध्यान दिया गया है। आधारभूत ढांचे के निर्माण की बजाय मौजूद ढांचे पर लोड बढ़ाया गया है। रेलवे ट्रैक की सेहत सुधारने की बजाय जर्जर हो चुके ट्रैक और दशकों पुराने पुलों के ऊपर नई ट्रेनें दौड़ाने की होड़ लगी है। रेलवे का काम निजी कंपनियों को दिया जा रहा है। रिटायर हो रहे कर्मचारियों की जगह ठेके पर लोग रखे जा रहे हैं। मैनुअल काम देखने वालों की संख्या बहुत कम हो गई है और ओवरटाइम बढ़ गया है और ड्राइवर 12 घंटे से ज्यादा काम कर रहे हैं। आधुनिक तकनीक और डिजाइन का इस्तेमाल सिर्फ ट्रेन और कोच बनाने में हो रहा है। रेलवे की स्थापना सेवा के लिए हुई थी, लेकिन ऐसा लग रहा है कि इसका इस्तेमाल मुनाफा कमाने के लिए किया जाने लगा है। ट्रेन किराए से लेकर प्लेटफॉर्म टिकट तक के दाम में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद यात्री सेवाएं जस की तस हैं। यात्री सेवा की बजाय रेलवे से अंधाधुंध कोयले और इस्पात की ढुलाई हो रही है। रेलवे का अलग से बजट आना पहले ही बंद हो चुका है और अब इसका एक पूर्णकालिक मंत्री भी नहीं है। सूचना-प्रौद्योगिकी और संचार मंत्रालय संभाल रहे अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्रालय भी दिया गया है। रेलवे इतना बड़ा विभाग है कि एक कैबिनेट के साथ कई राज्यमंत्री हों तब इसके साथ न्याय होगा।

हर साल बजट में बताया जाता है कि रेलवे का बजट कितना बढ़ाया गया और उसमें से कितना आधारभूत ढांचे पर खर्च होगा। लेकिन यह आंकड़ों की बाजीगरी है। बारीकी से देखने पर पता चलता है कि आधारभूत ढांचे पर होने वाला खर्च कम होता जा रहा है। भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यानी सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में इस तरफ ध्यान दिलाया है। पिछले साल यानी 2022 के दिसंबर में संसद में पेश सीएजी कि रिपोर्ट में बताया गया है कि नया ट्रैक यानी रेल लाइन बिछाने का बजट कम हुआ है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वित्त वर्ष 2017-18 में जो राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष बनाया गया था वह अपना मकसद हासिल करने में विफल रहा। केंद्र सरकार ने पांच साल के लिए एक लाख करोड़ रुपए का यह कोष बनाया था, जिसमें हर साल 20 हजार रुपए आवंटित किए जाने थे। इसमें से 15 हजार करोड़ रुपए केंद्र सरकार देती और पांच हजार करोड़ रुपए रेलवे के आंतरिक स्रोत से आना था। लेकिन चार साल में यानी वित्त वर्ष 2020-21 तक रेलवे अपने आंतरिक स्रोत से सिर्फ 4,225 करोड़ रुपए ही जुटा सका।

एक तथ्य यह भी है कि ज्यादातर दुर्घटनाएं ट्रेन के पटरियों से उतरने की वजह से हो रही हैं। पिछले पांच साल में जो ट्रेन दुर्घटनाएं हुई हैं उनमें से चार में से तीन दुर्घटनाएं ट्रेन के पटरी से उतरने की वजह से हुई है। ट्रेन के पटरी से उतरने का पहला और मुख्य कारण पटरियों की खराब दशा है। इसका यह भी मतलब है कि पटरियों के रख-रखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। देश की ज्यादातर पटरियां पुरानी हो गई हैं और कई जगह तो अब भी अंग्रेजों के जमाने में बने पुल से काम चल रहा है। ट्रेनों की औसत स्पीड बढ़ाई जा रही है या हाई स्पीड वाली ट्रेनों को लगातार हरी झंडी दिखाया जा रहा है। लेकिन स्पीड बढ़ाने से पहले पटरियों की सेहत सुधारना जरूरी है। भारत में बुलेट ट्रेन चालू होनी है, जिसके लिए पटरी बिछाने पर प्रति किलोमीटर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं, जबकि सेमी हाईस्पीड ट्रेन की पटरी बिछाने पर 35 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर खर्च है। भारत में यात्री ट्रेनों की औसत स्पीड 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की है, जबकि चीन-जापान में दो से ढाई सौ किलोमीटर है।

बहरहाल, दिसंबर 2022 में संसद में पेश सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2017-18 से 2020-21 के बीच 69 फीसदी दुर्घटना ट्रेन के पटरी से उतरने से हुई है। इस दौरान कुल मिला कर 2,017 टुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें से 1,392 पटरी से उतरे के कारण हुई हैं। चूंकि सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं ट्रेनों के बेपटरी होने से हुए थे तो सीएजी ऑडिट में इसी पर फोकस किया गया। सो, सीएजी ने 1,129 दुर्घटनाओं का अध्ययन किया। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक 289 दर्घटनाएं ट्रैक रिन्यूल यानी पटरियों को नया बनाने या बेहतर करने से जुड़ी हैं। सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक पटरी के रख-रखाव में कमी से 167 दुर्घटनाएं हुईं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रेलवे लाइन के इंस्पेक्शन का काम बहुत लापरवाही से हुआ। इसमें 30 फीसदी से लेकर सौ फीसदी तक की कमी देखी गई। यानी कई ट्रैक ऐसे थे, जहां एक बार भी इंस्पेक्शन नहीं किया गया। सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक नई रेल लाइन बिछाने का का बजट 2018-19 में 9,607.65 करोड़ था, जो 2019-20 में घट कर 7,417 करोड़ हो गया। हैरानी की बात है कि वह रकम भी पूरी खर्च नहीं हुई।

बालासोर हादसे से कुछ दिन पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़े गर्व से बताया कि भारत में ट्रेन दुर्घटना रोकने के लिए कवच विकसित किया गया है, जो यूरोप की ट्रेनों में लगने वाले एंटी कोलिजन डिवाइस से भी बेहतर है। लेकिन हकीकत यह है कि रेलवे के 19 में से 18 जोन में कवच लगना शुरू नहीं हुआ है। भारतीय रेलवे के पास 13 हजार से कुछ ज्यादा इंजन हैं लेकिन सिर्फ 65 इंजन में ही कवच लग पाया है। ध्यान रहे यह इंजन और पटरी दोनों में लगता है, जिससे अगर एक पटरी पर दो ट्रेनें आ गईं तो चार सौ मीटर पहले ही रूक जाएंगी। इस साल पांच हजार किलोमीटर में कवच लगाना है। रेल मंत्री रहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि कोई डेढ़ दशक पहले जब वे रेल मंत्री थीं तभी से एंटी कोलिजन डिवाइस पर काम चल रहा है। सोचें, आधुनिक तकनीक के मौजूदा दौर में एक सिस्टम विकसित करने में क्या इतना समय लग सकता है? अगर रेलवे की सुरक्षा और संरक्षा प्राथमिकता में होती तो यह कब का तैयार हो चुका होता।

बालासोर की घटना हृदय विदारक है। उम्मीद करनी चाहिए कि सरकार इससे सबक लेगी। रेलवे को राजनीति चमकाने का साधन बनाने की बजाय आम लोगों को सस्ती और सुरक्षित यात्रा की सुविधा देने वाली व्यवस्था में बदलने का प्रयास करेगी। रेलवे में सुधार के साथ साथ आपदा के समय होनेवाले राहत और बचाव कार्यों की गुणवत्ता में भी सुधार की बहुत जरूरत है और ऐसा बगैर संवेदनशील हुए नहीं हो पाएगा। बालासोर में 288 लोग मरे और दुर्भाग्य से इतने शवों को भी सम्मान देने की व्यवस्था हम नहीं कर पाए। जो वीडियो सामने आए हैं उसमें शव के ऊपर शव फेंके जा रहे हैं। हर शव को चादर तक नसीब नहीं हुई। प्रधानमंत्री, रेल मंत्री, कई केंद्रीय मंत्रियों और कई मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी के बावजूद व्यवस्थित तरीके से राहत व बचाव के काम नहीं हुए। ऐसा लगा, जैसे समाज की तरह ही पूरा प्रशासन भी डिस्फंक्शनल हो गया है। अगर किसी को राहत व बचाव कार्य देखना हो तो यूक्रेन में चल रहे युद्ध को देखें। कैसे एक युद्धग्रस्त देश अपने नागरिकों को शवों को सम्मान देता है और कैसे रूसी हमले से ध्वस्त हो चुके ढांचे से निकल कर व्यवस्था बहाल करता है।

सू- दोकू क्र.048

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.47 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

यूक्रेन का शुरू जवाबी हमला!

श्रुति व्यास

यूक्रेन-रूस युद्ध में अहम मोड़ आया है। सोमवार पांच जून को यूक्रेन हमलावर हुआ। यूक्रेन ने जवाबी हमला शुरू किया। वैसे इस युद्ध को लेकर दुनिया ने, हम सबमें से अधिकांश ने तय कर लिया है कि वह किसके साथ है (हालाँकि भारत अब तक तय नहीं कर पाया है!)।को युद्ध के बारे में जानने-समझने वालों में एक वर्ग के लिए पांच जून जोश का दिन था। नहीं, मैं मजाक नहीं कर रही हूँ। यह खबर फ़्लैश होते ही कि यूक्रेन का जवाबी हमला शुरू हुआ है, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में मानों रोमांच की एक लहर सी दौड़ गई।

रूस-यूक्रेन युद्ध के 468वें दिन अंतत: यूक्रेन जवाबी हमले के मूड में दिखा। पश्चिमी देशों को कम से कम दो हफ्ते पहले इसके शुरू हो जाने की उम्मीद थी। कुछ तो अपना धैर्य खोने की कगार पर थे। कई हफ़्तों से यूक्रेनियाई सेना तैयारी कर रही थी। रूस और यूक्रेन के बीच 600 किलोमीटर लम्बी और दक्षिण से उत्तर-पूर्व तक फैली सीमा पर सैनिक साजो-सामान जमा किया जा रहा था। उद्देश्य था रूस की हमला करने की क्षमता को पूरी तरह समाप्त कर देना। यूक्रेन की सेना रात में ड्रोन के ज़रिये दुश्मन के टैंकों और मोर्चों को नष्ट कर रही थी। सीमा से पीछे स्थित हथियारों के भंडारों और ईंधन के गोदामों पर भी हमले किये जा रहे थे। सोमवार को यूक्रेन की सेना ने डोनेत्स्क इलाके में सीमा से सटे कई स्थानों पर हमला बोला और कम से कम दो जगह रूसी सेना को पीछे हटने पर मजबूर किया। राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने बखमुत में कहा कि हम इसी खबर का इंतजार कर रहे थे।

इस जवाबी हमले की शुरुआत के लिए जो तारीख चुनी गयी वह सामरिक दृष्टि के अलावा, एक और नज़रिए से महत्वपूर्ण है। चार जून, जिस दिन हमले शुरू हुए, के दो दिन बाद ही डी-डे की वर्षगांठ है। डी-डे मतलब वह दिन जब यूरोप को नाज़ी जर्मनी से मुक्त करवाने की शुरुआत हुई थी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की कार्यवाही को 'बड़े पैमाने पर हमला' बताया है। पश्चिमी देश और प्रेस रोमांचित है कि चलिए कम से कम शुरुआत तो हुई, हालाँकि यूक्रेन ने औपचारिक रूप से नहीं कहा है कि उसने जवाबी कार्यवाही शुरू कर दी है।

रूस की तरफ से कम जानकारी दी जा रही है और यूक्रेन ने तो चुप्पी साध रखी है। स्थानीय लोगों और ब्लॉगों के ज़रिये ही कुछ जानकारियां सामने आ रहीं हैं। इनमें से कुछ कोरी बकवास हैं। वॉर गोंजो नामक ब्लॉग, जिसे रुसी वॉर कोरेस्पोंडेंट सेम्योन पेगोव चलाते हैं, कुछ तथ्य उपलब्ध करवा रहा है। ब्लॉग के अनुसार, यूक्रेन के सैन्य बल नोवोदोनेत्सके इलाके में वेल्ह्यका नोवोसिल्का व व्हुलेदार के बीच 2 किलोमीटर अन्दर घुस आए हैं। यहाँ रूसी सेनाओं ने मोर्चा बाँधा हुआ था। ब्लॉग के अनुसार, यूक्रेन सैनिकों को ढोहने के लिए पश्चिमी मेकेनाइज्ड वाहनों का इस्तेमाल कर रहा है। हाल में ज़ेलेंस्की को पश्चिमी देशों से बड़ी मात्रा में टैंक और गोला-बारूद मिले हैं। इसी कारण पश्चिमी देश यह अपेक्षा कर रहे थे कि यूक्रेन जवाबी कार्यवाही शुरू करेगा। इन्हीं का इस्तेमाल कर यूक्रेनियाई सैनिक 5 जून की सुबह नोवोदोनेत्सके तक पहुँच गए। एक लोकप्रिय रूसी टेलीग्राम चैनल के अनुसार, सीमा से खबर यह है कि लड़ाई हर पल और तेज होती जा रही हैं। डोनेत्स्क और ज़ैपोरिज्झिया इलाके में भी सीमा पर लड़ाई तेज हो गयी है। यूक्रेन इस जवाबी कार्यवाही को 'वसंत-ग्रीष्म सैन्य अभियान' बता रहा है जो शायद सितम्बर या उसके बाद तक चलेगा। यूक्रेन की सेना आगे बढ़ रही है। रूसी ब्लॉगर बता रहे हैं कि यूक्रेन ने रूस की मोर्चाबंदी की बीच से एक छोटा सा रास्ता बना लिया है। जहाँ तक रूस का सवाल है, उसका उद्देश्य शायद केवल यह है कि पिछले साल हमले के शुरुआत हफ़्तों में जितनी ज़मीन पर उसने कब्ज़ा कर लिया था, उस पर उसका कब्ज़ा बना रहे। रूसी इंजीनियरों ने इस इलाके में जिस तरह की मज़बूत मोर्चाबंदी की है, वैसी ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पिछले कुछ दशकों में दुनिया में कहीं नहीं देखी गई।

जाम में फंसी कार पर गिरा बोल्डर, चालक की मौत

हमारे संवाददाता

पीपलकोटी। बदरीनाथ हाइवे पर लगे जाम के दौरान एक कार पर पहाड़ी से बोल्डर गिरने के कारण जहां चालक की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं उसमें बैठी सवारियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर पुलिस ने चालक के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बुधवार देर शाम को तेज बारिश के चलते बदरीनाथ हाईवे पर मलबा आने से लंबा जाम लग गया, जिसके बाद वाहनों को कहीं घंटों तक लंबे जाम सामना करना पड़ा।

बताया जा रहा है कि इस दौरान पीपलकोटी से करीब एक किलोमीटर आगे तैला घाम के पास जाम में फंसी एक कार के ऊपर अचानक पहाड़ी से बड़ा बोल्डर आकर गिर गया। हालांकि जाम के चलते कार में मौजूद सवारियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली, लेकिन चालक कार में ही फंस गया और देखते-देखते कार के ऊपर पहाड़ी से बड़ा बोल्डर आकर गिर गया, जिसमें चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मृतक की पहचान सुमन फर्स्वाण (42) पुत्र इंदर फर्स्वाण निवासी जखोली रुद्रप्रयाग के रूप में हुई है जिसमें अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून । अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार एक की मौत हो गई जबकि दूसरा गम्भीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गाव केहडी लक्सर निवासी पुष्पेद अपने मामा के बेटे अमित के साथ अपनी मोटरसाइकिल से ऋषिकेश की तरफ जा रहा था। जब वह छिददरवाला चौकी के पास पहुंचे तभी अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ पर चिकित्सकों ने पुष्पेद को मूर्त घोषित कर दिया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्वछता कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर निगम प्रशासन से की वार्ता

नगर संवाददाता

देहरादून। पूर्व राज्यमंत्री भगवत प्रसाद मकवाना ने स्वछता कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में नगर निगम के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना एवं डोर टू डोर कॉलेक्शन के अधिकारियों से संयुक्त वार्ता की। जिस पर निगम प्रशासन ने श्रम कानूनों के तहत सभी सुविधाओं को लागू करने का आश्वासन दिया गया है।

मकवाना ने कहा कि स्वछता कर्मचारी फ्रंट वॉरियर के रूप में कार्य करता रहा है लेकिन उनको सुविधाओं नहीं दी जाती। साथ ही उन्हे अपने अधिकारों की आवाज उठाने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना ने तीनों कंपनियों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं को पारदर्शी तरीके से लागू किया जाये। साथ ही निगम प्रशासन के अधीन कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखा जाये। वार्ता में नगर निगम अनुर्बंधित कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय कुमार, महामंत्री संदीप कुमार, राष्ट्रीय बाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राजेश राजोरिया, धर्मपाल घाघट, राकेश तिनका, राजीव राजौरी आदि मुख्य थे।

5 करोड़ का गबन करने वाला 25 हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। जनशक्ति मल्टीस्टे/मल्टीपरपज कोपरेटिव सोसायटी के नाम पर कई लोगों के लगभग 5 करोड़ रूपये का गबन करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक साल से फरार चल रहा था जिस पर 25 हजार का ईनाम घोषित था।

जानकारी के अनुसार कपिलदेव राठी, मोनिका कपूर, पंकज गम्भीर निवासी नागालोई, बाहरी दिल्ली तथा अनिल रावत पुत्र जय सिंह निवासी ढालवाला मुनीकीरेती द्वारा जनशक्ति मल्टीस्टेट कोपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के नाम से जनपद चमोली में पोखरी, गोपेश्वर, चमोली, जोशीमठ में अलग-अलग शाखा खोली गयी। जिसमें इन लोगों ने स्थानीय लोगों को लालच देकर पैसे जमा कराये गये। तथा लोगों का पैसे जमा करने के बाद उनके साथ धोखाधड़ी कर पैसे लेकर फरार हो गये। जिसमें इन सभी के द्वारा लगभग 5 करोड़ रूपये का गबन कर धोखाधड़ी की गयी। मामले में सन्तोष सिंह चौधरी पुत्र नारायण सिंह चौधरी निवासी खत्री खडकमाफ श्यामपुर ऋषिकेश द्वारा आरोपी इन सभी लोगों के खिलाफ थाना पोखरी में मुकदमा दर्ज करा दिया गया था। जिसमें आरोपी पंकज गम्भीर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसकी न्यायिक हिरासत के दौरान मृत्यु हो चुकी है। जबकि कपिलदेव राठी, मोनिका कपूर तथा अनिल रावत लगातार फरार चल रहे है जिन पर पुलिस द्वारा 25-25 हजार का ईनाम घोषित किया गया था। हालांकि आरोपियों के बैंक खातों को पुलिस पूर्व में ही सीज करवा चुकी है और आरोपियों की तलाश कर रही थी। इस दौरान आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस व एसओजी टीम ने बीते रोज एक सूचना के आधार पर आरोपी अनिल रावत पुत्र जय सिंह निवासी ढालवाला को ऋषिकेश से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह वर्ष 2014 से जनशक्ति मल्टीस्टे/मल्टीपरपज कोपरेटिव सोसायटी से जुड़ा है तथा एस.बी.आई. पोखरी में कपिल देव राठी व पंकज गम्भीर के साथ सहखाताधारक है। जिसमें उसे कपिल राठी के समान साइन आथोरेटि प्राप्त है तथा सोसायटी में डायरेक्टर के पद पर नियुक्त है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

युवती की मौत पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। युवती के आत्महत्या करने पर पांच लोगों के खिलाफ आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम ध नौरी पिरान कलियर हरिद्वार निवासी योगेन्द्र सैनी ने पटेल नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया उसकी पुत्री श्रेया सैनी कक्षा एमएससी (योग) से गुरु राम राय डिग्री कॉलेज देहरादून मे प्रथम वर्ष की छात्रा थी और वह शोभित बोडाई निकट डायमंड जिम कार्गी चौक देहरादून थाना पटेल नगर जिला देहरादून के यहां किराये पर रहती थी तथा देहरादून मे जिम ट्रेनर थी तथा इसके कभी कभी फार्मा होलसेल मे एकाउन्ट का काम भी देखती थी उसकी पुत्री का सभाव बहुत ही नरम प्रवृत्ति का था । उसने 05 जून 223 को अपनी पुत्री को शाम के समय फोन किया था तथा उसको कुछ बताना चाहती थी पर उसने कहा कि वह अभी बाहर है और कमरे पर जा कर बात करुंगी तथा 07 जून 2023 को सांय नौ बजे उसके फोन पर फोन पर उसकी पुत्री की सहेली लावंशी निवासी शिवलोक कॉलोनी टिबडी हरिद्वार का फोन आया उसने बताया कि उसके पास राधिका का फोन से फोन आया है और वह बता रहे है कि श्रेया सैनी गेट नही खोल रही है इसके पश्चात राधिका एवं उसके भाई ने पुलिस को फोन किया और मौके पर पुलिस आ गई । पुलिस वालों ने गेट तोडा तो उसकी पुत्री पंखे पर बैल्ट के साथ लटकी पायी गयी थी तथा उसकी पुत्री के पेशाब के रास्ते खून निकल रहा था आँखे बन्द थी तथा जीभ नही निकली हुई थी पुलिस उसकी पुत्री को अपने साथ उठाकर ले गई और दून हॉस्पिटल शवग्रह मे रख दी थी तभी वह एवं उसके परिवार वाले पहुच गये थे उसके पश्चात दून अस्पताल वालो ने कहा कि इसका पोस्ट मार्टम होगा 08 जून 2023 को को उसकी पुत्री का पोस्ट मार्टम हुआ उसको अब पूर्ण विश्वास है कि उसकी पुत्री को आत्महत्या के लिए राधिका दीपान्शु सैनी डिम्पी, दवाई होलसेलर, फोन हैगर मजबूर किया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

श्रद्धा पूर्वक मनाई गई आसाड़ महीने की संग्राद

संवाददाता

देहरादून। आसाड महीने की संग्राद कथा कीर्तन के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनायी गयी।

आज यहां गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार देहरादून के तत्वावधान में आसाड़ महीने की संग्राद का दिवस कथा-कीर्तन के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। प्रातः नितनेम के पश्चात हजूरी रागी भाई चरणजीत सिंह ने आसा दी वार का शब्द 'जो मागहि ठाकुर आपने ते सोई सोई देवै' का गायन किया एवं सेवक परिवार के द्वारा रखे गये श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग डाले गए, सजे हुए विशेष दीवान में भाई गुरदयाल सिंह हजूरी रागी जत्थे ने 'आसाड तपंदा तिस लगै हरि न जिंना पासि' का शब्द गायन किया, कथा करते हुए पूर्व हैंड ग्रंथि गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा भाई सुखदेव सिंह ने कहा कि हाड़ का महीना उन लोगों के मन को भी तपश देता है जो प्रभु भक्ति में नहीं जुड़ते, मनुष्य की आस लगाकर जीवन दान देने वाले प्रभु को कभी भुलना नहीं चाहिए। हैंड ग्रंथी भाई शमशेर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की, प्रधान, गुरबख्श सिंह राजन व जनरल सेक्रेटरी गुलजार सिंह द्वारा संगतों को हाड़ महीने के दिवस की बधाई दी। मंच का संचालन सेवा सिंह मठारु ने करते हुए कहा कि आने वाली 25 जून को सिख सेवक जत्थे की तरफ से गुरुद्वारा साहिब में सुबह से दोपहर ढाई बजे तक गुरु हरगोबिन्द साहिब के प्रकाश पर्व को समर्पित विशेष रूप से दीवान सजेगा, प्रबंधक कमेटी एवं संगत ने प्रधान गुरबक्श सिंह राजन को उनके जन्मदिन की बधाई दी। कार्यक्रम के पश्चात संगत ने गुरु का लंगर व प्रशाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सरदार गुरबख्श सिंह राजन अध्यक्ष, सरदार गुलजार सिंह महासचिव, सरदार चरणजीत सिंह उपाध्यक्ष, सरदार जगमिंदर सिंह छाबड़ा, मंजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह जौली, सरदार सतनाम सिंह, सरदार हरचरण सिंह, अरविन्दर सिंह आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

हैदराबाद की लड़की की लंदन में चाकू से गोदकर हत्या

नई दिल्ली। लंदन में हैदराबाद की एक युवती को चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई है। ब्राजील के शख्स ने 27 वर्षीय लड़की की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, लंदन में एक फ्लैट में रह रही हैदराबाद की लड़की को ब्राजील के एक नागरिक ने कथित तौर पर हमला कर दिया। युवती का नाम तेजस्विनी है। वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, तेजस्विनी पिछले साल मार्च में अपनी मास्टर्स की पढ़ाई करने के लिए लंदन गई थी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि ब्राजील के युवक ने तेजस्विनी पर चाकू से वार किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, आरोपी ने तेजस्विनी के अलावा अखिला नाम की लड़की पर भी वार किया। फिलहाल अखिला का इलाज चल रहा है, हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हुआ कि युवक ने दोनों लड़कियों पर हमला क्यो बोला। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

भीषण सड़क दुर्घटना में उन्नाव के चौकी इंचार्ज की मौत

उन्नाव। जिले के गंगा घाट कोतवाली में तैनात चौकी इंचार्ज की सड़क हादसे में मौत गई। वह गुरुवार को अपने एक साथी के साथ हरदोई जा रहे थे। इसी दौरान हरदोई के बेनीगंज के पास उसकी कार अनियंत्रित हो गई और एक डीसीएम से जा टकराई। हरदोई पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर लखनऊ भेजा। वहां डॉक्टरों ने चौकी इंचार्ज को मृत घोषित कर दिया, जबकि साथी पुलिसकर्मी की हालत स्थिर बनी हुई है। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। दरअसल, जिले के गंगा घाट कोतवाली के चौकी इंचार्ज राघवेंद्र सिंह क्षेत्र के ही अपने साथी नीलकमल दीक्षित को लेकर हरदोई जा रहे थे।

महिला सांसद ने साथी सीनेटर पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में एक महिला सांसद ने एक साथी सीनेटर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पार्लियामेंट को महिलाओं के लिए असुरक्षित जगह बताया। सांसद लीडिया थोर्प ने लगभग रोते हुए कहा कि उन पर यौन टिप्पणियां की गईं और उन्हें अनुचित तरीके से एक 'ताकतवर शख्स' द्वारा छुआ गया। गुरुवार को थोर्प ने अपने साथी सीनेटर डेविड वान के खिलाफ अपना आरोप दोहराया। वहीं डेविड वान ने थोर्प के आरोपों का पूरी तरह से खंडन किया। उन्होंने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से गलत हैं। उन्होंने कहा कि इन आरोपों ने उन्हें तोड़ कर रख दिया है। डेविड वान की लिबरल पार्टी ने उन पर लगे आरोप के बाद उन्हें निलंबित कर दिया है।

यूनान के तट पर एक नौका पलटने से 79 लोगों की मौत

कालामाटा (यूनान)। प्रवासियों को लेकर जा रही मछली पकड़ने वाली एक नौका यूनान के तट पर मंगलवार देर रात को पलटने के बाद डूब गई, जिससे कम से कम 79 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये सभी प्रवासी यूरोप जाने की कोशिश कर रहे थे। तटरक्षक बल, नौसेना और विमानों ने रात भर व्यापक स्तर पर खोज एवं बचाव अभियान चलाया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने यात्री लापता हैं। तटरक्षक बल के प्रवक्ता निकोस अलेक्सियो ने सरकारी 'ईआरटी टीवी' को बताया कि यात्रियों की संख्या का सटीक अनुमान लगाना असंभव है। ऐसा प्रतीत होता है कि 80-100 फुट का जहाज लोगों के अचानक एक तरफ चले जाने के बाद पलट गया और कुछ देर बाद डूब गया। कालामाटा के दक्षिणी बंदरगाह शहर के डिप्टी मेयर आयोनिस जाफिरोपोलोस ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी से संकेत मिले हैं कि नौका में '500 से अधिक लोग' सवार थे।

पांच लाख की लूट प्रकरणः पुलिस ने फरार दूसरे आरोपी को किया गिरफ्तार, डेढ लाख बरामद

संवाददाता

देहरादून। बुजुर्ग से पांच लाख रूपये की लूट के मामले में पुलिस ने फरार दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूट के डेढ लाख रूपये भी बरामद कर लिये। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि 23 मई को शेरदीन निवासी जाटोवाला थाना सहसपुर देहरादून ने कोतवाली विकासनगर पर आकर एक तहरीर दी थी कि वह बैंक से पैसे निकाल कर बाहर पैदल हर्बटपुर की तरफ जा रहा तो 02 मोटर साईकिल सवार लोगों ने उसका पैसों का बैग छीनकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए टीम का गठन किया। गठित टीमो द्वारा 07 जून 2023 को अमित कुमार पुत्र प्रदीप कुमार निवासी पीएसी के पास आदर्श कालोनी थाना सिविल लाईन मुरादाबाद को लूट के एक लाख पांच हजार रुपये के साथ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया था तथा अविनाश उर्फ मोहित पुत्र राजेन्द्र उर्फ रजवा निवासी पीएसी के पास आदर्श कालोनी थाना सिविल लाईन मुरादाबाद को 14 जून 2023 को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया गया जिसको आज न्यायालय में पेश किया जा जाएगा।

पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया 21 मई 2023 को वहं व अपने दोस्त अमित कुमार के साथ उसकी मोटरसाईकिल से हरिद्वार पहुँचे दोनों ने हरिद्वार की धर्मशाला में कमरा लिया तथा 22 की रात को दूसरे धर्माशाला मे रुके तथा सुबह मोटरसाईकिल से देहरादून होते हुए पांवटा साबिह के लिए निकले और दोनों हरबर्टपुर पहुचे तो उसनें कहा यही बैंक मे देख लेते है कुछ ना कुछ मिल जायेगा। जिसके बाद उन्होंने लूट की घटना को अंजाम दिया। उसके बाद हरिद्वार धर्मशाला से हमने अपने कपडों का बैग लिया और उसी समय नजीबाबाद धामपुर होते हुए मुरादाबाद आये मुरादाबाद में उन्होंने पैसे आपस में बांट लिये जिसमे अमित ने खुद 03 लाख रुपये व 02 लाख रुपये उसको दिये। पैसों को लेकर वहं अपने घर चला गया व अमित अपने घर चला गया शेष रुपये उसके द्वारा घर के सामान कपड़े, दवाई व अन्य कार्य में खर्च कर दिये। उसके द्वारा इससे पूर्व दिल्ली, भिवानी हरियाणा में भी लूट की घटना की है। एसएसपी ने पुलिस टीम को दस हजार रूपये ईनाम की घोषणा की। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति को मिलेः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

आज यहां मंसूरी विधानसभा क्षेत्र में महा जनसंपर्क अभियान के तहत लाभार्थी सम्मेलन में बोलते हुए धामी ने कहा कि सरकारी योजनाओं से हर कोई लाभावित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक भी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार गरीबों की आवश्यकताओं को समझती है और उन्ही को ध्यान में रखकर योजनाएं बनायी जाती है। उन्होंने कहा कि पहले भी सरकारे गरीबों के लिए योजनाएं बनाती थी लेकिन सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटकर थक जाते थे लेकिन उनकी सरकार अपनी जो भी योजना बनायेगी वह जनता के द्वार तक उस योजना का लाभ पहुंचाने और प्रत्येक व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले इसका प्रयास रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भटट, विधायक गणेश जोशी, मेयर सुनील उनियाल गामा, सिद्धार्थ अग्रवाल, नेहा जोशी, प्रदीप रावत, सुदेश राणा आदि लोग उपस्थित थे।

चोरी के 22 मोबाइल सहित बीटेक का छात्र गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। घाटों पर नहाने वालों की स्कूटी से मंहगे मोबाइल चोरी करने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके पास से चुराये गये लाखों रूपये के 22 मोबाइल, 6 स्कूटी की चाबियां बरामद की है। आरोपी बीटेक का छात्र है जो पैसों की तंगी के चलते मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम दिया करता था।

जानकारी के अनुसार बीती 14 जून को शिवांश माहेश्वरी निवासी सुखदाम दादू बाग द्वारा थाना कनखल में तहरीर देकर बताया गया था कि प्रेम नगर पुल के पास उसकी और उसके दोस्त यश राजपूत की स्कूटी से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल चोरी कर लिया गया है। हालांकि आरोपी को सीपीयू पुलिस कर्मियों पकड़ लिया गया जिसके जिसके कब्जे से हमारे चोरी के दोनों मोबाइल बरामद हुए हैं। पकड़े गए व्यक्ति से सख्ती से पूछने पर उसने अपना नाम नवनीत सिंह पुत्र कमल किशोर निवासी लखनऊ बताया। बताया कि मैं लखनऊ का रहने वाला हूं और रुड़की से बीटेक मैकेनिकल की पढ़ाई कर रहा हूं और कनखल में ही राजपूत धर्मशाला में रहता हूं। घर से खर्चे के पैसे न मिलने पर उसने मोबाइल चोरी करने का तरीका ढूंढा और स्कूटी की कई सारी चाबियां बनवा कर घाटों के आसपास खड़ी स्कूटी से मोबाइल चुराने लगा। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के 22 मोबाइल, 6 चाबियां, 16 सिम कार्ड, 3 अदद मेमोरी कार्ड बरामद किए गए। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

महापंचायत मामले में..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कि पुरौला नहीं पूरी उत्तरकाशी जिले में सुरक्षा कड़क कर दी गई है और पुरौला में धारा 144 लगा दी गई है। खंडपीठ ने आज मामले में सरकार से सुरक्षा व्यवस्थाओं को और भी चाक चौबंद करने को कहा है, साथ में याची व उनके साथियों से टी.वी.डिबेट और आपत्तिजनक नारों से दूर रहने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होनी तय हुई है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।